



रजत कुमार गुप्ता

ਬੀਲੀ ਬੀਲੀ ਕੁਛ ਤੋ ਬੀਲੀ

३०

बोलो कहते
रह गये बेचारे, बार
बार गुहार लगाते रहे
कि मेरी भी बात सुन
ली जाए। लेकिन अब
तो बोल भी नहीं सकते
क्योंकि सदस्यता ही
चली गयी है। साफ है कि पहली बार में
राहुल गांधी को मोदी जी, नहीं नहीं अमित
शाह ने पटक दिया है। अब बेचारे कांग्रेसी
बिलबिलाये फिर रहे हैं। ऊपरी अदालत में
कथा होगा, यह बाद की बात है लेकिन एक
पटखनी से पूरे कांग्रेस को चोट लगी है, यह
साफ हो गया है। बहुत गालियां देते थे कि
फलां को जिला बदर किया गया था। देखों
भाई ने अपनी पहलवानी का कौन सा दाव
चला है।
यह अलग बात है कि अखड़ाड़े में राहुल गांधी
को बनाये रखने में भी मोदी शाह की जोड़ी
की जोरदार कोशिश है। दोनों अच्छी तरह
जानते हैं कि अगर विपक्षी बोट का बंटवारा
नहीं हुआ तो 2024 का रास्ता बहुत कठिन
हो जाएगा। अब हिमाचल में एक मामूली की

होगी तुमसे राजी
अरे हैया भैया हां आ हैया
हैया
ओ हो हो बोलो बोलो कुछ
तो बोलो सामने वाले है ले
गए बाजी
अरे हिम्मत करके आगे
आओ दुनिया होगी तुमसे
राजी
हैया हैया हा आ हैया हैया
देखो गया बक्त आता
दुबारा नहीं
फिर ये न कहना किसी ने
पुकारा नहीं
हो ओ ओ ओ.. देखो
गया
बक्त आता दुबारा नहीं
फिर ये न कहना किसी ने
पुकारा नहीं
हो बोलो बोलो बोलो!
कुछ तो बोलो सामने
वाले ले गए बाजी
हैया हिया हां आ है

—क्याक सदस्यता हा अर हम्मत काक आगे आओ दुनिया होगी तुम्हसे राजी हैया हैया हा आ हैया हैया देखो गया वक्त आता दुबारा नहीं फिर ये न कहना किसी ने पुकारा नहीं हो ओ ओ ओ.. देखो गया वक्त आता दुबारा नहीं फिर ये न कहना किसी ने पुकारा नहीं हो बोलो बोलो बोलो! कुछ तो बोलो सामने वाले ले गए बाजी हैया हिया हां आ है पूछो न यार क्या हुआ दिल व हुआ चक चक चचा चा चा पूछो न यार क्या हुआ दिल व हुआ पूछो न यार क्या हुआ दिल व हुआ तुमपे तो हम मर मिटे हैं उ हमारा आगे क्या होगा अच्या यवा या या या या रु तुमने प्यार से हमको एक ब है यार तो निभा देना इतना बेकरार कोई भी नहीं देखते हो ना देखो न यार क्या हुआ दिल व हुआ तुमपे तो हम मर मिटे हैं उ हमारा आगे क्या होगा पूछो न यार क्या हुआ..

चली गयी है। साफ है कि पहली बार में राहुल गांधी को मोदी जी, नहीं नहीं अभित शाह ने पटक दिया है। अब बेचारे कांग्रेसी बिलबिलाये फिर रहे हैं। ऊपरी अदालत में क्या होगा, यह बाद की बात है लेकिन एक पटखनी से पूरे कांग्रेस को चोट लगी है, यह साफ हो गया है। बहुत गालियां देते थे कि फलां को जिला बदर किया गया था। देखों भाई ने अपनी पहलवानी का कौन सा दांव चला है। यह अलग बात है कि अखाड़े में राहुल गांधी को बनाये रखने में भी मोदी शाह की जोड़ी की जोरदार कोशिश है। दोनों अच्छी तरह जानते हैं कि अगर विपक्षी बोट का बंटवारा नहीं हुआ तो 2024 का रास्ता बहुत कठिन हो जाएगा। अब हिमाचल में एक मामूली की हार तो हो चुकी है। कर्नाटक से भी अच्छे संकेत नहीं आ रहे हैं। गुजरात में उनके नाक में दम करने वाली आम आदमी पार्टी अब हरियाणा में पैर पसार रही है। मध्यप्रदेश में भी मामा जी के घर में झाड़ु नजर आने लगा है। टेंशन को दोनों तरफ है। इसलिए अडाणी पर साहब कुछ नहीं बोल रहे हैं। दूसरी तरफ राहुल ज्यादा बोल रहे थे तो उन्हें बोलने का मौका देने से ही रोक दिया है। इसी बात पर एक पुरानी हिंदी फिल्म का गीत याद आ रहा है। यह जमाने को दिखाना है फिल्म का गीत है। इसे मजरूह सुलतानगुरी ने लिखा था और राहुल देव वर्मन ने संगीत में ढाला था। इसे स्वर दिया था आशा भोसले और मोहम्मद रफ़ी ने। गीत के बोल कुछ इस तरह हैं।

हैया हैया हा आ हैया हैया बोलो बोलो कुछ तो बोलो सामने वाले ले गए बाजी और हिम्मत करके आगे आओ दुनिया

तो हा हो हा हे हे हे हे हे हे
दिल पे था हमें कितना ऐतबार तुमसे
स्या कहें हम ये अफसाना दिल पे था हमें
कितना ऐतबार तुमसे क्या कहें हम ये
अफसाना
गोर्डेर्गुलबदन कोई नाजनीन कर सकता
हर्हीं हमको दीवाना
तो ऐतबार क्या हुआ दिल का करार क्या
हुआ
उमपे तो हम मर मिटे हैं अभी से
ताने हमारा आगे क्या होगा
छो न यार क्या हुआ
यो यी यै या यि यै यारा
ता ला ला ला ला ला ला -4 बार
गुल मिलाकर केस पूरा उलझा हुआ है।
भारोप प्रत्यारोप तो इंडियन पॉलिटिक्स में
भाम बात है। खास बात सिर्फ अडाणी है,
तो वाकई अंदर तक चूभ रहा होगा। 42
वंदेशी कंपनियों के पैसे का हिसाब भी
गाहर आ गया है। ऊपर से सुप्रीम कोर्ट में

पर बात में टांग फंसाकर परेशानी पैदा कर रहा है। अब तो चुनाव आयोग के नाम ईडी के निदेशक के सेवाविस्तार पर भी मिलार्ड ने टांग फंसा दिया है। कहीं इसला उल्टा आया तो सरकार की रेरेशानी और बढ़ जाएगी।

फुल मिलाकर चुनावी नाटक का मंचन पारंभ होने के पहले से ही फिल्म के मध्यें कांग्रेस का माहौल बनने लगा है। वझे गो कंप्यूजन है कि कहीं भाजपा बाले दूसरे दलों और खासकर कांग्रेस को अपने विरोधियों को सबक सीखाने का यात्रा तिरका तो नहीं सीखा रहे हैं। ईडी, बीबीआई और इनकम टैक्स तो भाजपा भालों ने कांग्रेस से ही सीखा है। किसी भी गार्टी को तोड़कर अपनी सरकार बनाना भी कांग्रेस का प्रयोग रहा है। यह अलग बात है कि आज वहीं दांव अपने ऊपर बल रही है तो बेचारे कांग्रेसी दर्द के मारे बेलबिला रहे हैं।

हनुमान किसके हैं

»»**લ્યાંગ્ય»» અનુરાગ વાજપેયી**

A vibrant illustration of a young Krishna, depicted with dark skin and a golden crown, playing a flute. He is surrounded by a lush green landscape with a blue sky above. Several white birds are scattered throughout the scene, some flying and others perched on branches. A large tree is visible on the left, and a small yellow animal is partially visible on the right.

A close-up photograph of a man with dark, wavy hair and a well-groomed beard and mustache. He is wearing dark sunglasses and a dark, collared shirt. The background is blurred, showing what appears to be tropical foliage or palm leaves.

करिश्मा कपूर और रवीना टंडन भी शामिल हैं जिनका दिल तोड़कर उन्होंने काजोल से 1999 में शादी कर ली थी। यहां तक कि इस बात से दुःखी होकर रबीना ने तो सुसाइड करने तक की कोशिश कर डाली थी। शादी के बाद एक बार एक फिल्म के प्रमोशन के दौरान अजय ने अपनी लवस्टोरी के बारे में बताया था कि, 'मैं बहुत चुपचाप रहता था काजोल समझती थी कि मैं घमंडी हूं हम दोनों बहुत कम बातें करते थे लेकिन धीरे से बात शुरू हुई और फिर हम आगे बढ़े हम दोनों ने एक-दूसरे को प्रपोज नहीं किया पहले हम दोस्त बने और फिर एहसास हुआ कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। मैं बहुत बड़े स्तर पर शादी नहीं करना चाहता था इमलिंग सब चुपचाप हुआ।'

अजय ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत 1991 में आई फिल्म 'फूल और काट' से की थी। यह फिल्म उस समय सुपरहिट रही थी। इस फिल्म में दो मोटरसाइकिलों पर पैर रखकर उनके द्वारा किया गया स्टंट आज भी चर्चा का विषय बना रहता है। इस फिल्म में किये उनके अधिन्यत के लिये फिल्म फेयर का 'बेस्ट मेल डेब्यू' का अवार्ड भी मिला था। उनकी अगली फिल्म जिगर (1992) थी, जो बॉलीवुड की मार्शल आर्ट फिल्म थी। इस फिल्म में उनके अपोजिट करिंशमा कपूर नजर आई थीं। यह दिवाली वीकेंड पर रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर उस साल की सातवीं सबसे ज्यादा कमाई (7 करोड़) करने वाली फिल्म बन गई।

इसके बाद उन्होंने संग्राम (1993), विजयपथ (1994), दिलवाले (1994), सुहाग (1994), नाजायज (1995), दिलजले (1996) और इश्क (1997) जैसी सफल फि ल्मों में अभिनय किया। 1998 में, उन्होंने महेश भट्ट की बॉलीवुड-ड्रॉमा जख्म में अभिनय किया और उन्हें फिल्म में उनकी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। 1999 में, उनकी सबसे चर्चित फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' रिलीज हुई जिसमें उन्होंने वनराज का किरदार निभाया था, यह एक ऐसा किरदार था जो अपनी पती को उसके प्रेमी के साथ मिलाने की कोशिश करता है।

୧୮

गवान राम अयोध्या लौट आए थे। धोबी के कहने पर लोकापवाद के डर से सीता माता को घर से निकाल चुके थे। समय काफी रहता था सो राजकाज में काफी ध्यान देने लगे थे औ? दरबार देर रात तक चलता रहता था। मयार्द पुरुषोत्तम का दरबार था इसलिए सब कुछ संयमित रहता था। नीति और आदर्श की बातें होतीं और शिष्ट हास-परिहास चलता रहता। एक दिन अचानक एक अमर्यादित घटना हुई और उसे अंजाम भी दिया राम के परम भक्त हनुमान जी ने। वे तमतमाते हुए आए और बिना अभिवादन किए रामचंद्र जी बोले, "मैं जा रहा हूँ अब नहीं लौटूँगा ये रखिए त्यागपत्र।

रामचंद्र जी ने पूछा, "क्या हुआ वत्स। हनुमान बोले, "होना क्या है, मान सम्मान को ताक पर रखकर अपने से काम नहीं होता। आप वत्स-वत्स कहते हैं और वहाँ नीचे धरती पर मेरे मंदिर तोड़े जा रहे हैं। राम बोले, "क्या कह रहे हो हनुमान, ऐसा भी कहीं होता है? ताकी पर्वतीयाँ तो हाथे माझ होती हैं फिर तुम्हारे मंदिर मेरे भी तो हुए, बताओ किसने किया है। यह धरतकर्म मैं उसे यथोचित दंड दूँगा। हनुमान जी बोले, "एक तो आप ये गलतफहमी निकाल दीजिए कि मेरी मूर्तियाँ केवल आपके मंदिरों में ही हैं। मेरे अपने सेपरेट मंदिर भी हैं जहाँ केवल मेरी विराट रूप वाली मूर्ति होती है, शाहरों में देखिए, राम मंदिर से ज्यादा हनुमान मंदिर प्रसिद्ध होते हैं। एक तो दिल्ली में ही है, खास कनॉट प्लेस पर। और रही बात मंदिर तोड़े की तो मुझे पता लगा है कि वहाँ एक नगर में मेरा मंदिर अपने ही अपने भक्तों को कहकर तुड़वा दिया है। रामचंद्र जी सकते में आ गए। बोले, हनुमान तुम्हें किसने कहा कि मैंने तुम्हारा मंदिर तुड़वा दिया, मैं भला ऐसा क्यों करूँगा?

हनुमान बोले, मुझे उस राज्य के विधायकों ने बताया है कि आपका नाम जपने वाली पार्टी की सरकार ने मेरा मंदिर तुड़वा दिया है। अब राम थोड़ा सहज हुए, बोले, मैं समझ गया, इस विधायक प्रजाति ने तुम्हें बहकाया है सुनो हनुमान, धरती की ये प्रजाति राक्षसों से भी चतुर होती है। उनसे भी ज्यादा मायावी, तरह-तरह के रूप रचने वाली। उन्हें तोतो भी नहीं बिल्ला था

बोल कि आपका अयोध्या में भव्य मंदिर बनाएँगे। चंदा भी खा गए और मंदिर बनाना तो दूर मेरी मूर्ति को २० साल से खुले में रख छोड़ा है तुम इनकी बातों में न आओ हनुमान, ये विधायक, सांसद और गेशुए वस्त्रधारी बाबा बड़े खतरनाक हैं। तुम्हें तो पता है सीता को भी रावण ऐसे ही साधु बनकर उठा ले गया था। हनुमान का गुप्ता शांत नहीं हुआ। वे बोले, "आप मुझे बहला रहे हैं मुझे पक्का पता है, उस राज्य की राजधानी में मेरा मंदिर तोड़ दिया गया है और उस जयीन को आपको नाम जपने वाली पार्टी ने अपनी शाखा लगाने के लिए ले लिया है। मैं कैसे मान लूँ कि आपने मेरे बढ़ते जनाधार से घबराकर यह कार्रवाही नहीं की है। राम ने पता किया तो मालूम हुआ कि घटना सच्ची है। वे बोले वत्स, तुम्हारी बात सही है, पर तुम्हारी भाषा से लगता है कि विधायकों ने अपनी संगठक का तुम पर पर्याप्त असर छोड़ा है, तुम ऐसा करो उस राज्य में चले जाओ आज वहाँ इश्ती विषय पर विधानसभा में भी चर्चा हो रही है। तुम्हें सब खुद स्पष्ट हो जाएगा। हनुमान जी तत्काल सूक्ष्म रूपधर कर विधानसभा में पहुंच गए। वहाँ उड़ें प्रत्यक्षक का क्षा धृष्णे नायन जी भी पिल्ल

गए। हनुमान जी ने उन्हें प्रणाम किया और आने का उद्देश्य बताया तो नारद उन्हें भी पत्रकार का रूप धरवा कर अपने साथ प्रेस दीर्घा में ले गए।

विधानसभा का भवन अति विशाल और गरिमापूर्ण था। एक ओर सत्तापक्ष और दूसरी ओर विपक्ष के बैठने के स्थान थे। विचारों से असहमत होने पर शारीरिक प्रहर के लिए माइक आदि लगे हुए थे।

सदन की कार्रवाई शुरू हुई और विपक्षी पार्टी के एक विधायक ने कहना शुरू किया कि राजधानी में हनुमान जी का एक मंदिर कल आधी रात गिरा दिया गया। नगर निगम के एक दस्ते ने भगवान की मूर्ति को अपने कब्जे में ले लिया और पुलिस थाने में रख दिया। भगवान् हनुमान तब से शक्ते हैं। उन्हें

भोग नहीं लगा है और यह सब काम सत्ता में बैठी उस पार्टी के राज में हुआ है जो राम का नाम लेकर सत्ता में आई है। यह शर्म की बात है कि रामनामी पार्टी ने अपनी संस्था के एक विद्यालय को जयीन देने और वहाँ शाम को युवकों को धर्म रक्षा का ज्ञान देने का प्रशिक्षण देने के लिए हनुमान जी का मंदिर तोड़ डाला।

प्रेस दीर्घा में बैठे हनुमान जी ने नारद से कहा, "ऋषिवर कल यही बात स्वयं भगवान राम स्वीकार नहीं कर रहे थे। नारद जी ने कहा, पवनपुत्र इतनी जल्दी निष्कर्ष मत निकालो, देखते जाओ। तभी सत्तापक्ष के कई सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गए और चिल्लाने लगे कि यह दान है। गलत है।

गांधी सरनेम कांग्रेस की जस्तरत भी, मजबूरी भी



संजय सक्सेना

कांग्रेसियों के लिए गांधी सरनेम कितना महत्व रखता है यह बात एक बार फिर गुजरात की सूरत कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ एक मानहानि केस में उन्हें दो साल की सजा सुनाए जाने के फैसले के बाद साधित हो गई है। सेशन कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेसी राहुल की वफादारी में हर संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को तार-तार करने में लगे हैं। यहां तक कि मनमोहन सरकार के समय में बने कानून की भी धजियां उड़ाने में पछे नहीं हैं। 2013 में कांग्रेस की गठबंधन वाली मनमोहन सरकार

सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद एक अध्यादेश लाइ थी, जिसे बाद में राहुल गांधी के दबाव में आकर कानूनी रूप नहीं दिया दिया जा सका था, लेकिन आज उसी की आग में जब राहुल गांधी स्वयं ज़िलसने लगे तो उसके लिए भी उन्होंने मोदी सरकार की तो बात ही दूसरी है अदालतों तक को कोसना काटना शुरू कर दिया है। बता दें कांग्रेस की मनमोहन सरकार के समय कानून बना रही कि था यदि किसी नेता को कोर्ट से पांच साल से कम की सजा सुनाई जाती है तो उसकी लोकसभा या विधानसभा के सदस्या समाप्त नहीं होगी, लेकिन राहुल गांधी का चेहरा चमकाने के लिए मनमोहन सरकार ने इसे रद्द कर दिया था,,जिस कारण दो साल की सजा पर सदस्यता समाप्त होने का प्रावधान जारी रहा। आज जब यह इस कानून की जद में राहुल गांधी आए तो कांग्रेसियों ने चाटुकरिता की सारी हँदें पर करते हुए देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी पीछे छोड़ दिया हार तरफ हो-हल्ला किया जा रहा है। दिल्ली से लेकर लखनऊ और अन्य राज्यों में भी बेवजह का हंगाम खड़ा किया जा रहा है।

कुल मिलाकर जो राजनैतिक हालात बन रहे हैं उससे लगता है कि कांग्रेस को 2024 का ही नहीं 2029 लोकसभा चुनाव भी राहुल गांधी विहीन होकर लड़ना पड़ सकता है। इससे कांग्रेस बच सकती थी यदि राहुल गांधी मानहानि केस में माफी मांग लेते, लेकिन उनके सलाहकारों ने उन्होंने ऐसा करने नहीं दिया। संभवत राहुल गांधी को कोट पर जनेऊ पहनाने वाले उनके करीबी कथित हिंदुओं को इस बात का एहसास ही नहीं होगा कि हिंदू समाज और सनातन धर्म में माफी मांगना कोई बुराई नहीं है। बल्कि इससे व्यक्ति की महानता ही नजर आती है। कई बार, कई मौकों पर देश के बड़े-बड़े नेता भी किसी ना किसी बात पर माफी मांग चुके हैं फिर यहां तो एक समुदाय के

अपमान का मामला राहुल गांधी के बयान से जुड़ा हुआ था। राहुल गांधी को सजा के बाद कांग्रेस हाय तौबा मचा रही है और यह सिलसिला थमने वाला भी नहीं लगता है लेकिन आश्चर्य इस बात का है कि उनके साथ वह नेता भी खड़े हो गए जो कल तक राहुल के विरोध में उतरे हुए थे। हो सकता है इनमें से कई नेताओं की अपनी राजनीतिक मजबूरी हो क्योंकि राहुल के साथ खड़े कई गैर कांग्रेसी नेताओं पर भी प्रश्नाचार के चलते गिरफतारी की तलवार लटक रही है। संभवत ऐसे ही नेता राहुल गांधी के कंधे पर अपनी हाँबूंदूकल रखकर मोदी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपना सियासी हिसाब किताब बराबर कर लेना चाहते हों।

हाल यह है कि गांधी परिवार के चाटुकारों ने गांधी परिवार का महिमामंडन के चक्कर में देश को भी पीछे छोड़ दिया है। पर्डित जवाहरलाल नेहरू उसके बाद इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया

गांधी और अब राहुल गांधी के कर्मों पर कांग्रेसी पर्दा डालने में लगे हैं उससे तो यही लगता है कि कथित गांधी परिवार कांग्रेसियों के लिए जरूरी भी है मजबूरी में है। जो कांग्रेसी नेता ऐसा नहीं कर पाए उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने में भी गुरेज नहीं किया जाता है। आज गांधी परिवार के साथ खड़े नजर आ रहे शरद पवार इसकी जिंदा मिसाल हैं। लेकिन यह बात और है कि आज वह राहुल के साथ खड़े हुए हैं।

अभी कांग्रेस परिवार के सदस्य और सांसद राहुल राहुल गांधी के लंदन में भारत विरोधी दिए गए बयान पर माफी मांगने का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था अब चार साल पुराने मानहनि के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गुजरात की सूरत जिला अदालत ने सजा सुना दी है। ये मामला मोदी सरनेम पर की गई विवादित टिप्पणी का है। दरअसल, 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने

र्नाटक के कोलार में एक रैली के दौरान कहा था, ह्यनीरव मोदी, निलित मोदी, नरेंद्र मोदी का सन्नरेम एक ही वर्णों है? सभी चोरों का सन्नरेम मोदी वर्णों होता है? राहुल ने इस टिप्पणी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री बुरोंगेश मोदी ने शिकायत दर्ज कराई थी। राहुल के खिलाफ आपराधिक अनाहनि का मुकदमा दर्ज हुआ। विजेपी नेता का कहना था कि राहुल गांधी ने इस टिप्पणी से पूरे मोदी समुदाय को बदनाम किया सूरत कर्ट ने पहले राहुल से उछा कि क्या वह मांफी मार्गींग तो उन्होंने कह दिया कि यह मामला गांधी मांगें का नहीं है। इसके बाद कर्ट ने राहुल को दोषी करार दिया तो हुए उन्हें दो साल की सजा मुना दी। हालांकि, अदालत से उन्हें जमानत भी मिल गई है। अदालत ने राहुल को आईपीसी ने धारा 499 और 500 के तहत लेणी करार दिया था, लेकिन उनको अपरी अदालत में अपील के लिए जमानत भी दे दी गई।

यह
आपी
को
पर
की
नर-
भी
इस
नहीं
में
तो सा
इस
नानी
सासी
है।
र्ट
जा
प्रेसी
कर
गाल
द्वारा
गाले
को
की
के

फैसलों पर से भी कांग्रेस का विश्वास उठता जा रहा है, जो एक गंभीर मसला है सबसे खास बात यह है कि राहुल को सजा सुनाए जाने के चलते बीजेपी विरोधी वह नेता भी राहुल गांधी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं जो हाल फिलहाल तक राहुल गांधी से दूरी बनाकर रखते थे, इसमें अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव जैसे तमाम नेता शामिल हैं। खैर, मोदी-राहुल के बीच की रार से किसको फायदा, किसे नुकसान हुआ कि की जाए तो इस जंग का बीजेपी ने तो खबूल फायदा उठाया, लेकिन कांग्रेस को इसके विपरीत परिणाम झेलने पड़े। कांग्रेस इस समय अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। उसके सांसदों की सख्ता दहाई में सिमट कर रह गई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी पूरे उत्थान पर है। सबसे खास बात यह है कि मोदी-राहुल की जंग में इनकी पार्टीयां भी कंधे से कंधा मिलाकर साथ चल रही हैं।



न्यूज फटाफट

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 198 रन से रोदा



ऑक्लैंड : न्यूजीलैंड ने हंनरी शिपली (31/5) की नायाब गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका को पहले एकदिवसीय मैच में शनिवार को 198 रन से रोदा दिया। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के सामने 275 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में मेहमान टीम मात्र 19.5 ओवर में 76 रन पर आॅलआउट हो गयी। यह रनों के मामले में श्रीलंका की पांचवीं सबसे बड़ी हार है। टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका ने नियमित अंतराल पर विकेट निकाले और फिर एलन के अलावा किसी की बल्लेबाज को अद्देश्तक नहीं बनाने दिया। सलामी बल्लेबाज एलन ने 49 गेंद पर पांच चौकों के सथ 51 रन बनाये। इसके अलावा डेरिल मिंचेल ने 58 गेंद पर 47 रन जबकि रविंग रीवीट ने 52 गेंद पर 49 रन की पारी खेली और न्यूजीलैंड 274 रन पर आॅलआउट हो गयी। श्रीलंका की ओर से चौमांका करुणाराज ने चार विकेट लिये, जबकि लाहिरु कुमारा ने दो विकेट बटकाये। दसुन शनाका और देवशन मदुशका को एक-एक सफलताएँ हासिल हुईं। लक्ष्य की पीछा करने उत्तरे श्रीलंकाई बल्लेबाज ईडन पार्क के उत्तर में फेंसकर तोड़ी के अंदर से पर्यावरण लौटे गये। श्रीलंका के आठ बल्लेबाज दहाई का ऑक्लैंड भी नहीं छ सके, जबकि एंजलो मैथ्यूजन ने सर्वाधिक 18 रन बनाये। शिपली ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए साथ ओवर में 31 रन देकर पांच विकेट लिये। इसके अलावा मिंचेल और ल्यूयर टिक्कर को दो-दो सफलताएँ हासिल हुईं। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ तीन मैचों की शृंखला 1-0-1 को बढ़ाव बना ली है। सीरीज का दूसरा मैच मंगलवार को क्राइस्टचर्च के हंगेली ओवल पर खेला जायगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 में सीधे प्रवेश के लिये श्रीलंका को यह सीरीज जीतना जरूरी है।

पीजीडीएवी की जीत में चमके अंकित, ऋषि



एजेंसियां

नयी दिल्ली : येजबान पीजीडीएवी टीम आठ विकेट पर 134 रन ही बना पाई। पीजीडीएवी के लिये अंकित कुमार ने 26 और ऋषि शर्मा ने 25 रन बनाये। शिवांश कूरूर ने 22 रन देकर पांच विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उत्तर एसजीएनडी खालसा कॉलेज को 18 रनों से मात देकर प्रथम स्वामी द्व्यानंद सरस्वती डे-नाईट टी-20 टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत पीजीडीएवी कॉलेज की प्राचार्या प्रो कृष्णा शर्मा ने टॉस उठाल कर की। पीजीडीएवी टीम ने टॉस जीतकर 20 ओवर में नौ विकेट पर 152 रन बनाए। इसके जवाब में एसजीएनडी खालसा कॉलेज की डॉ मनेज राठी, पीजीडीएवी कॉलेज के डॉ पवन डबास और डॉ मुकेश कुमार ने दिया।

मलाइका अरोड़ा का बैकलेस गाउन बना उनकी आफत



मुंबई : फैशन बर्ल्ड में अपने हाटे एंड सिल्विंग आउटफिट से तहलका मचाने वाली मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी दौरा ने जलवे दिखाती नजर आई है। बीते दिन मलाइका अरोड़ा को स्टाइल आइकॉन अवॉर्ड्स 2023 में ब्लैक वेस्ट कट गाउन में कहर ढाला देखा गया था। मलाइका अरोड़ा ने इस हाटनेस के जलवे दिखाती नजर आई है।

महिला प्रीमियर लीग

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स में से कौन होगा विजेता

डब्ल्यू पी एल 2023 का फाइनल मुकाबला आज

एजेंसियां

नई दिल्ली : मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग 26 मार्च को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेली जाएगी। इस फाइनल मुकाबले में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को हाराकर फाइनल में जगह बनाई। महिला प्रीमियर लीग 2023 अपने पांचवां पारी की ओर पहुंच गई है। लीग का फाइनल मुकाबला 26 मार्च को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों के बीच खिताबी जंग होते हुए दिखेंगी। इस लीग में अस्ट्रेलियाई खिलाड़ी में लैनिंग की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स सबसे पहले फाइनल में जगह बनाने

प्रदेश > अपडेट

कार गैरेज में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत है। दैरवाद : तेलंगाना के हैदराबाद में शनिवार तड़के आविदस के बोगुलाकुटा रिश्त एक कार गैरेज में भीषण आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी और पाच कार जलकर खाल हो गयी। पुलिस ने यहां बताया कि कार में सो रहे चौकीदार संतोष की जलने से मौत हो गई।

शॉर्ट न्यूज़ अपडेट्स >

कोविड संक्रमण से

1590 नये लोग पीड़ित
नवी दिल्ली : देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड संक्रमण के 1590 नये लोगों सामने आए हैं और इसके साथी ही कुल संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 8601 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय ने शनिवार की यहां बताया कि देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड संक्रमण की दर 1.33 प्रतिशत दर्ज की गई है। मन्त्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में 910 व्यक्ति कोविड संक्रमण से उर्द गए हैं। स्वास्थ्य होने की दर 98.79 प्रतिशत है। इसी अधिक में 119560 कोविड संक्रमण परीक्षण किए गए हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान 9497 कोविड टीके लगाए गए हैं। इसके साथ ही देश में 220.65 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए जा चुके हैं।

उदयपुर एवं राजसमंद में बनेंगे केटल फाईड प्लांट
जयपुर : राजस्थान के उदयपुर एवं राजसमंद के नानदारा में केटल फाईड प्लांटों की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्थापना के प्रसारण को मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से अधिक मात्रा में पशु आहार का उत्पादन हो सकेगा और पशुओं के लिए गुणात्मक आहार आसानी से उत्पादित हो सकेगा। स्थापना के लिए राशि दिविरपि मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के माध्यम से व्यय की जाएगी।

संक्षिप्त > अपडेट्स
कश्मीर में दो आतंकवादी गिरफ्तार
श्रीनगर : केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार को लश्कर-ए-तेरवा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस की बांदीपोरा ने एक सूत्रुक टीम ने बांदीपोरा के सुमलार क्षेत्र में दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक जावार जारी कर कहा, बांदीपोरा पुलिस ने 143आरआर और सीआरएफ की तीसरी बटालियन के साथ मिलकर सुमलार में मछली पालन कार्यालय के दौरान लश्कर-ए-तेरवा को आतंकवादियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से दो चीज़ी ग्रेनेड बराबर किए। बांदीपोरा थाने में गोकरन-नगरी गतिशील रोकथाम अधिकार्य (ग्रूपी) की संविधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राष्ट्रीय उद्यान में खुले जंगल में छोड़े गए दो बाघ

शिवपुरी : मध्यप्रदेश के शिवपुरी स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की पुनर्निर्माना कार्यक्रम के अंतर्गत दो बाघों को राष्ट्रीय उद्यान के खुले जंगल में छोड़ा गया। मादा बाघ को कल शाम खुने जंगल में छोड़ा गया। इसके पूर्व नर बाघ को 20 मार्च को जगल में छोड़ा गया। बाद काम पर रखे गए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में बदल दिया गया। वित्त मंत्री ने 24 मार्च को सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में सुधार करने के लिए एक व्यक्तिगत एवं नर एवं मादा बाघों को शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान में फिर से बसाने के लिए लाया गया। इसके पहले एवं रखा गया था। राष्ट्रीय उद्यान सूखों ने बताया कि एक नर एवं एक मादा बाघों को शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान में फिर से बसाने के लिए लाया गया था। इसके बाद पहले नर बाघ को तथा कल शाम को मादा बाघ को खुले जंगल में छोड़ दिया गया। अभी एक और बाघिन को बाड़ में सुखों ले जाना जाना है। जंगल में छोड़े गए दो बाघ के जड़े की बन कर्मियों द्वारा लगातार ट्रैकिंग की जा रही है।

ठग मामला ➤ गुजरात के ठग मामले में हितेश पांडिया का इस्तीफा सामने आया

उनका बेटा भी किरण पटेल के साथ था

► संयोजक की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया था



► घरेलू सुरक्षा उपकरणों का कारोबार करता है

राष्ट्रीय खबर

अहमदाबाद : गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी हितेश पांडिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल कश्मीर में पांगमों अधिकारी बनकर धूमने वाले उपकरणों के साथ उनके बेटे अमित पांडिया का भी नाम आया था। हितेश पांडिया एक प्रकार रहे हैं और उनके पुत्र भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है।

गुजरात साप्ताहिकों में अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी हितेश पांडिया ने लगभग 22 साल तक कार्यालय में रहने के बाद शुक्रवार शाम अपना इस्तीफा सौंप दिया, जहां उन्होंने

के शुभाई पटेल, नरेंद्र लोटी, आनंदेंदेव टटेल, विजय रूपानी और भूपेंद्र पटेल सहित कार्य 31 मार्च तक समाप्त कर द्वांगा और कार्यालय से मुक्त हो जाऊंगा।

इससे पहले, अपने इस्तीफे से बाल करते हुए पांडिया को पांगमों अधिकारी ने बोला कि यह जिसका उपकरणों के साथ उनके बेटे अमित पांडिया का भी नाम आया था। हितेश पांडिया एक प्रकार रहे हैं और उनके पुत्र भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है।

गहलोत ने दी 203 गांवों में नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र खोलने को मंजूरी



एजेंसियां

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 26 जिलों के 203 गांवों में उपस्वास्थ्य केंद्र खोलने के प्रसारण को मंजूरी प्रदान की है। गहलोत के इस निर्णय से उपस्वास्थ्य केंद्रों में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 203 पदों पर कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। गहलोत ने बजट वर्ष 2022-23 में प्रदेश के एक हजार गांवों में उप स्वास्थ्य केंद्रों में मिल सकेंगे। इनमें सोनकर के 21, दौसा के 21, दूंसरा के 19, अलवर के 14, जयपुर, अजमेर एवं नानों के 12-12, राजसमंद एवं टोंक के 9-9,

कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। इससे स्थानीय सेवाओं में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 203 पदों पर कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। गहलोत ने बजट वर्ष 2022-23 में प्रदेश के एक हजार गांवों में उपस्वास्थ्य केंद्रों में मिल सकेंगे। इनमें सोनकर के 21, दौसा के 21, दूंसरा के 19, अलवर के 14, जयपुर, अजमेर एवं नानों के 12-12, राजसमंद एवं टोंक के 9-9,

कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। इससे स्थानीय सेवाओं में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 203 पदों पर कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। गहलोत ने बजट वर्ष 2022-23 में प्रदेश के एक हजार गांवों में उपस्वास्थ्य केंद्रों में मिल सकेंगे। इनमें सोनकर के 21, दौसा के 21, दूंसरा के 19, अलवर के 14, जयपुर, अजमेर एवं नानों के 12-12, राजसमंद एवं टोंक के 9-9,

कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। इससे स्थानीय सेवाओं में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 203 पदों पर कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। गहलोत ने बजट वर्ष 2022-23 में प्रदेश के एक हजार गांवों में उपस्वास्थ्य केंद्रों में मिल सकेंगे। इनमें सोनकर के 21, दौसा के 21, दूंसरा के 19, अलवर के 14, जयपुर, अजमेर एवं नानों के 12-12, राजसमंद एवं टोंक के 9-9,

कोटा के 8, करालैं के 7, भरतपुर के 6-6, चूर्ची भीलवाड़ा एवं सावाड़ माधोपुर के 5-5, बारां, जोधपुर एवं सिरोही के 4-4, चिंटीगढ़, उदयपुर व धौलपुर के 3-3, बांसवाड़ा व जालौर के 2-2, बाढ़मेर और पाली का 1-1 गांव शामिल है। इससे स्थानीय सेवाओं में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 203 प

